श्री शत्रुंजय - मुक्ति सम्यग्ज्ञान अभ्यासक्रम

तृतीय वर्ष - अभ्यास - १०

मार्च - २०२०
गुणांक - १००

प्रश्न - पत्र

सूचना : १. नाम और एनरोलमेंट नंबर बिना का पेपर रद्द किया जायेगा । २. लाल स्याही के पेन का उपयोग न करें । ३. समझ में न आये ऐसे अक्षरों वाले जवाब पत्र जांचे नहीं जायेंगे । ४. जवाब पत्र में ही योग्य खाने में जवाब लिखना है, साथ में दूसरा पेपर जोडना नहीं है, जोडने पर तीन मार्क्स काट लिये जायेंगे । ५. जवाब पत्र हर महिने की ता. २५ तक भेजना जरुरी है, आगे-पीछे आए पेपर जांचे नही जायेंगे । ६. सभी जवाब अभ्यासक्रम के आधार पर ही लिखना है । ७. जिस महिने का प्रश्न पत्र है, उसके बाद के महिने की २५ ता. को आपके मार्क्स तथा सही उत्तर इन्टरनेट पर दे दिये जायेंगें, उसके बाद आए हुये उत्तर पत्र स्वीकृत नहीं होंगे तथा फोन पर जवाब नहीं दिया जायेगा । ८. उत्तर पत्र में अभ्यासक्रम का नंबर लिखना जरुरी है ।

प्रश्न नं. १ रिक्त स्थान की पूर्ति करो - २०

१. ..... सिद्ध भगवंतो की एक समय में उर्ध्वगति होती है ।
२. बल का मद.....को बडे भाई के साथ लडने प्रेरित करता है ।
३. पूर्वाचार्यो की ..... रुप नाव पर बैठकर श्री रत्नशेखर सूरि ने स्व-पर कल्याण के लिये उद्धृत किया है ।
४. वैमानिक देव भी मनुष्य से ..... गुण अधिक है ।
५. सुखी बनने के लिये..... बनना पडता है ।
६. श्री जिनेश्वर देव का पूजन करने से समस्त प्रकार के ..... नाश पाते हैं ।
७. अमर दत्त को शाहजंहा ने ..... की पदवी दी थी ।
८. ..... कर्म के क्षय से सिद्ध भगवंतो को अनंत केवलज्ञान होता है ।
९. जैसे जैसे इन्द्रियाँ बढती जाती है, वैसे वैसे सुख की..... बढती जाती है ।
१०. सच्चा रुप देह में नहीं ..... में है ।
११. नामिल देवी ने गर्भाधान के समय..... को निरखा था ।
१२. जीवों में सबसे अल्प संख्या में मनुष्य है, यही मानवभव की ..... को उजागर करता है ।
१३. शांति स्तव पूर्वाचार्यों ने गुरु..... प्रकट किये मंत्रपदो से गुंथा गया है ।
१४. वर्धमान पद्मसिंह शाह..... को साथ लेकर पधारे ।
१५. सिद्ध परमात्मा जब देह का त्याग करते है, तब जो संस्थान होता है वही संस्थान मुक्ति मे सिद्ध जीवों के ..... का होता है ।
१६. जहाँगीर द्वारा पाषाण प्रतिमा को वंदन करने पर प्रतिमा ने एक हाथ उपर कर उच्च स्वर में सम्राट को..... दिया ।
१७. जिस तरह कुम्भार के चक्र आदि की गति होती है, उसी तरह सिद्ध परमात्मा की गति भी ..... से होती है ।
१८. मरण की वेदना हमारे जीव ने इन्द्रियों की पराधीनता एवं..... के कारण अनंत बार भोगी है ।
१९. ..... के अजीर्ण से ज्ञान का अजीर्ण ज्यादा खतरनाक है ।
२०. सिद्ध के जीव तो ..... रहित होते हैं ।

प्रश्न नं. २ एक शब्द में जवाब लिखो - १५

१. जाम जसवंतसिंह ने संघपति बंधुओ को संघ के रक्षणार्थ क्या दिया ?
२. भुज में संघने कल्याणसागर सूरि की चरण पादुकाओं की स्थापना की वहाँ आज क्या है ?
३. किसके बीज समान बंध छेद से सिद्ध परमात्मा की उर्ध्वगति होती है ?
४. जिनेश्वर देव का पूजन करने से क्या छेदी जाती है ?
५. सच्चा सुख क्या पाने में है ?
६. किसे विराम मिले तो मुझे अनंत सुख के धाम स्वरुप मोक्षपद की प्राप्ति होगी ?
७. सनतकुमार को चक्रवर्ती की सत्ता से क्या बलवान लगा ?
८. सिद्धशीला पृथ्वी का दूसरा नाम क्या है ?
९. कवि सौभाग्य सागर गणिने किस रास में संघ का विस्तृत वर्णन किया है ?
१०. श्री धर्ममूर्ति सूरि किस नगर में कालधर्म पाये ?
११. सभी जीवों से अनंत गुण जीव कौनसे है ?
१२. श्री भद्रबाहू स्वामी नेपाल देश में किस ध्यान की साधना कर रहे थे ?
१३. हासूजी ने कुटुंब सहित श्री शत्रुंजय तीर्थ की यात्रा की और किस मंदिर का कोट सहित जिर्णोद्धार किया ?
१४. किसके श्रुत मद के कारण इस क्षेत्र से चौद पूर्व का लोप हुआ ?
१५. क्या क्षय करने से सिद्धों की अक्षय गति है ?

प्रश्न नं. ३ नीचे दिये गये शब्दों के अर्थ लिखो - १०

१) बायरगी २) सलिल ३) कुलाल ४) कणग ५) वसुधा ६) यायात ७) अलि ८) व्योम ९) भवण १०) रज्जे ११) संस्तुता १२) चेष्टां १३) वल्लय १४) करि १५) ओसा १६) एव १७) सीसेण १८) पज्जमणु १९) पत्ता २०) मुम्मुर

प्रश्न नं. ४ जोडियाँ लगाओ (सिर्फ 'B' के नंबर लिखो) - १०

A	B	A	B
१) कुरगुडु मुनि	१) पंचधार भोजन	६) श्री पार्श्वनाथ	६) मुक्ति
२) मानदेव सूरि	२) स्वभाव	७) आत्महित	७) हरण
३) मांठा गांव	३) आत्मकल्याण	८) श्रोतेन्दिय की गुलामी	८) दुर्लभता
४) असंग	४) ज्ञान का अजीर्ण	९) सिंह रुप	९) स्फटिकमयबिंब
५) मानवभव	५) चार घाती कर्म का नाश	१०) अनीःपातनी	१०) शांति स्तव

प्रश्न नं. ५ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संख्या में लिखो - १०

१. कोडन कुमार की दीक्षा किस वि.सं. में हुई ?
२. मंत्री बंधु कुंवरपाल-सोनपाल ने आग्रा में कितने जिन बिम्बों की प्रतिष्ठा करायी ?
३. स्थूलीभद्र को यक्षादि कितनी बहनें थी ?
४. सिद्ध भगवंत की उर्ध्वगति के हेतु कितने ?
५. जीव कितने दंडकों में घुमता रहता है ?
६. कल्याण सागर सूरि ने कितने ग्रंथो की रचना की ?
७. शांति स्तव की संपूर्ण गाथा कितनी है ?
८. जामनगर में कुशल कारीगरों ने कितने वर्ष में भव्य जिनप्रासाद तैयार किया ?
९. सनत् कुमार चक्रवर्ती को कितने रोग उत्पन्न हुए ?
१०. भरत चक्रवर्ती के कितने भाई प्रभु की वैराग्यमय देशना सुनकर वैरागी बने ?

प्रश्न नं. ६ नीचे के वाक्य सही (✓) हैं या गलत (×) बताओ - १०

१. कितने आचार्य आकाश की तरह सर्वव्यापी मुक्ति है ऐसा कहते है ।
२. कथाओ की बात बताकर सुज्ञ मुनिभगवंत संवर भावना का आलेखन करते कहते है ।
३. हे अज्ञानी जीव ! तू दुःख में पागल बना हुआ है ।
४. अज्ञान से एवं रागद्वेष से कषाय उत्पन्न होते हैं ।
५. श्री जिनेश्वर देव पूजन करने से समस्त प्रकार के उपसर्ग नाश पाते है ।
६. दुर्लभ मानवभव की प्राप्ति महान पुण्ययोग से हुई है ।
७. वर्धमान-पद्मसिंहको राजा ने प्रसन्न होकर प्रधान मंत्री पद दिया ।
८. सिद्ध भगवान चौदह रोजलोक में जो गुणपर्याय युक्त संपूर्ण पदार्थ तथा जीवाजीवादि पदार्थो को जानते है ।
९. "नहीं राजेश्वर नहीं !" हमने प्रथम देखा वो यह रुप नहीं है ।
१०. हे देवाधिदेव ! अब में भटक भटक कर आपके मंदिर में आया हूं ।

प्रश्न नं. ७ नीचे के वाक्य किस पृष्ठ पर है वह पृष्ठ नंबर लिखो - १०

१. अंचल गच्छ के साधर्मिक बंधुओ के प्रत्येक घर में उन्होने प्रभावना की ।
२. सिद्ध भगवंत अरुपी है और अनंत अवगाहना वाले होते है ।
३. कोडन कुमार बालक स्वरुप में इन्द्र जैसा प्रभावाली था ।
४. चार घाती कर्म का नास कर खाते खाते केवली बने ।
५. हीर बाई ने संघ सहित शत्रुंजय की नव्वाणुं यात्रा भी की ।
६. हे जिनेश्वरो ये सब व मैं ने अनंती बार प्राप्त किये है ।
७. "पद्मसिंह कारित प्रतिष्ठायां" ।
८. अभी प्राप्त मानवभव की सुंदर आराधना कर भवभ्रमण को मर्यादित कर दे ।
९. वैद्य या हकीमों की शरण के बदले अरिहंत की शरण सच्ची लगने लगी ।
१०. इन्द्रियो के सुख जीव को आज ही मिले हैं ऐसा कहाँ है ।

प्रश्न नं. ८ अपनी भाषा में समझाओ - १५

१. श्रुत मद २) सिद्धशीला कैसी है बताओ ३) रायसी शाह के किये सुकृत बताओ
४. अल्प बहुत्व समझाओ ५) घ्राणेन्द्रिय की लुब्धता के परिणाम उदाहरण देकर समझाओ ।

उत्तर पत्र नीचे लिखे पते पर भेजिए :
शत्रुंजय अेकेडमी श्री पद्मप्रभस्वामी जैन मंदिर, स्टेशन रोड, चालिसगाँव - ४२४१०१ जिल्हा : जलगांव,
मो. ९०२८२४२४८४. सही परिणाम और सही जवाब के लिये वेब साईट www.shatrunjayacademy.com